vinetur

विश्व वाइन व्यापार समूह ने दक्षिण अफ्रीका में स्वैच्छिक टिकाऊपन सिद्धांत अपनाए

अमेरिकी नियामकों ने डिजिटल लेबलिंग, कैलोरी गणना और बिना या कम अल्कोहल वाली वाइन के मानकों पर चर्चा की

शनिवार, 21 नवंबर 2026



अमेरिकी अल्कोहल नियामकों ने इस महीने दक्षिण अफ्रीका में अंतरराष्ट्रीय वाइन व्यापार पर हुई वार्ता में हिस्सा लिया। इसमें सरकारों और उद्योग के प्रतिनिधियों ने टिकाऊपन के नए स्वैच्छिक सिद्धांतों को मंजूरी दी और उन नियमों पर चर्चा की जो सीमापार वाइन की लेबलिंग, पैकेजिंग और बिक्री के तरीके को प्रभावित कर सकते हैं।

शुक्रवार, 20 नवंबर को Alcohol and Tobacco Tax and Trade Bureau ने बताया कि उसके International Affairs Division और Office of Chief Counsel के कर्मचारियों ने 1 से 4 नवंबर तक दक्षिण अफ्रीका के Stellenbosch में हुई World Wine Trade Group की बैठक में हिस्सा लिया। इस समूह में प्रमुख वाइन उत्पादक देशों के अधिकारी और उद्योग प्रतिनिधि शामिल हैं। इसका उद्देश्य नियामकीय मुद्दों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को आसान बनाने के उपायों पर चर्चा करना है।

TTB के अनुसार, बैठक में उन कई मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया जो अब दुनिया भर में वाइन कारोबार को आकार दे रहे हैं। इनमें बिना या कम अल्कोहल वाले वाइन उत्पाद, डिजिटल लेबलिंग, टिकाऊपन कार्यक्रम और पैकेजिंग संबंधी आवश्यकताएं शामिल थीं। ये विषय इसलिए अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं क्योंकि उत्पादक बदलती उपभोक्ता मांग को पूरा करने और निर्यात बाजारों के अलग-अलग नियमों का पालन करने की कोशिश कर रहे हैं।

TTB ने कहा कि बैठक का एक प्रमुख नतीजा Stellenbosch Principles को अपनाना रहा। ये सरकारों के लिए नए स्वैच्छिक दिशानिर्देश हैं, जिनका उद्देश्य व्यापार में नई बाधाएं पैदा किए बिना टिकाऊ वाइन उत्पादन पद्धतियों को बढ़ावा देना है। एजेंसी ने अपनी घोषणा में इन सिद्धांतों का विस्तार से वर्णन नहीं किया, लेकिन कहा कि इन्हें इस तरह तैयार किया गया है कि देश व्यापार खुला रखते हुए टिकाऊपन को प्रोत्साहित कर सकें।

अमेरिकी एजेंसी ने कहा कि उसने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई। TTB के मुताबिक, उसके प्रतिनिधियों ने हाल के American Viticultural Area घटनाक्रमों की जानकारी दी, जिनमें Washington राज्य में Columbia Hills AVA का गठन भी शामिल है। ब्यूरो ने यह भी कहा कि उसने ऊर्जा और कैलोरी की मात्रा की गणना के लिए दिशानिर्देशों तथा डिजिटल लेबलिंग के नियामकीय सिद्धांतों पर चर्चा में योगदान दिया।

ये विषय वाइन कारोबार के लिए सीमित दायरे वाली व्यापार कूटनीति से कहीं आगे जाते हैं। कैलोरी संबंधी जानकारी, इलेक्ट्रॉनिक लेबल और पैकेजिंग मानकों के नियम कई बाजारों के लिए बोतलें, लेबल और अनुपालन प्रणालियां तैयार करने के उत्पादकों के तरीकों को प्रभावित कर सकते हैं। इनके व्यापक असर पेय क्षेत्र पर भी पड़ सकते हैं, क्योंकि वाइन, बीयर और स्पिरिट्स कंपनियां डिजिटल उपभोक्ता जानकारी बढ़ा रही हैं, टिकाऊपन की मांगों का जवाब दे रही हैं और कम अल्कोहल वाले उत्पाद विकसित कर रही हैं। आयातकों और निर्यातकों के लिए, सरकारों के बीच अधिक तालमेल अनुपालन लागत घटा सकता है और अलग-अलग राष्ट्रीय मानकों के व्यापार में बाधा बनने का जोखिम सीमित कर सकता है।

बिना या कम अल्कोहल वाली वाइन पर चर्चा खास तौर पर उल्लेखनीय है, क्योंकि इस क्षेत्र पर उत्पादकों और नियामकों का ध्यान बढ़ा है। जैसे-जैसे अधिक पेय कंपनियां कम या बिना अल्कोहल वाले उत्पादों में निवेश कर रही हैं, उत्पाद मानकों, लेबल पर इस्तेमाल होने वाली शब्दावली और उपभोक्ता जानकारी से जुड़े सवाल अधिक तात्कालिक हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय समन्वय अपने आप में अमेरिका के लिए बाध्यकारी नियम नहीं बनाता, लेकिन यह भविष्य की नियामकीय सोच को आकार देने में मदद कर सकता है और निर्यातकों को यह समझने का स्पष्ट संकेत दे सकता है कि नीतियां किस दिशा में जा सकती हैं।

बैठक में डिजिटल लेबलिंग भी एक अहम मुद्दा रहा। कई बाजारों के नियामक इस पर विचार कर रहे हैं कि भौतिक लेबल पर कितनी जानकारी होनी चाहिए और QR कोड या वेब लिंक जैसे माध्यमों से कौन-सी जानकारी दी जा सकती है। पेय कंपनियों के लिए इस बहस का असर केवल अनुपालन पर ही नहीं, बल्कि लागत और लचीलेपन पर भी पड़ता है—खासकर तब, जब एक ही उत्पाद कई देशों में अलग-अलग जानकारी संबंधी आवश्यकताओं के तहत बेचा जाता है। TTB ने कहा कि उसने डिजिटल लेबलिंग के नियामकीय सिद्धांतों पर चर्चा में हिस्सा लिया, जिससे संकेत मिलता है कि यह मुद्दा अंतरराष्ट्रीय नीतिगत कार्यों में अब भी विचाराधीन है।

ब्यूरो ने ऊर्जा और कैलोरी की गणना पर हुई चर्चा का भी उल्लेख किया। इस विषय पर ध्यान बढ़ा है क्योंकि सरकारें मादक पेय पदार्थों के लिए पोषण संबंधी जानकारी देने पर विचार कर रही हैं। एक समान तरीका—भले ही वह स्वैच्छिक हो—वाइन उत्पादकों को अलग-अलग बाजारों के लिए अलग-अलग पद्धतियां अपनाने से बचने में मदद कर सकता है। इसका असर इस बात पर भी पड़ सकता है कि पेय की अन्य श्रेणियां भविष्य की लेबलिंग आवश्यकताओं को किस तरह देखेंगी, खासकर तब जब जनस्वास्थ्य और उपभोक्ता पारदर्शिता नियामकीय बहस का हिस्सा बने हुए हैं।

TTB के अनुसार, World Wine Trade Group की स्थापना 1998 में हुई थी और इसमें Argentina, Australia, Canada, Chile, Georgia, New Zealand, South Africa, the United States और Uruguay शामिल हैं। ब्यूरो ने कहा कि यह समूह

सरकार और उद्योग के प्रतिनिधियों के लिए जानकारी साझा करने, नियामकीय मुद्दों पर चर्चा करने और ऐसी संयुक्त कार्रवाइयों को आगे बढ़ाने का मंच है जो नियामकों को उपभोक्ताओं की रक्षा करने की अनुमति देते हुए वाइन व्यापार की बाधाएं घटाएं।